

VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION
ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2931)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time Allowed: **Three Hours**

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 62+2 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए, इस पुस्तिका के अंत में खाली पृष्ठ दिया गया है।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-Cum-Answer (QCA) Booklet contains 62+2 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

For rough work, blank page has been provided at the end of this Booklet.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If, so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 0056 3381

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : DIPTI RANJAN PATI

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English

English

तारीख
Date

25/08/24

**सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)
GENERAL STUDIES (Paper IV)**

केंद्र
Centre Bhubaneswar
(006)

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

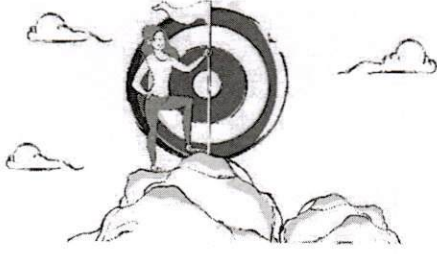
S. B. S. S.
25.8.24

	<p style="text-align: center;">महत्वपूर्ण अनुदेश</p> <p>उम्मीदवारों को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवारों को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द या आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।</p>	<p style="text-align: center;">Important Instructions</p> <p>Candidates should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.</p>
1	<p>(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें।</p> <p>(ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।</p>	<p>(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates.</p> <p>(b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet</p>
2	<p>अपनी प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।</p>	<p>Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.</p>
3	<p>परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।</p>	<p>Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.</p>
4	<p>उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।</p>	<p>Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.</p>
5	<p>उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।</p>	<p>Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.</p>
6	<p>प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।</p>	<p>Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.</p>
7	<p>प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।</p>	<p>Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.</p>
8	<p>यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।</p>	<p>If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.</p>

कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use	कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use
परीक्षक के हस्ताक्षर Signature of Examiner(s)	

प्राप्तांक के विवरण (परीक्षक द्वारा भरा जाए)/ Marks Details (To be filled by the Examiner(s))

प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks		प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks	
1(a)			6 (a)		
1(b)			6 (b)		
2(a)			7		
2(b)			8		
3(a)			9		
3(b)			10		
3(c)			11		
4(a)			12		
4(b)					
5(a)					
5(b)					
उप-योग (A) Subtotal (A)			उप-योग (B) Subtotal (B)		
सकल योग (A+B) / GRAND TOTAL (A+B)					



VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION
ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2931)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time Allowed: **Three Hours**

अधिकतम अंक: **250**
Maximum Marks: **250**

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें बारह प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिंदी और अंग्रेजी दोनों में छपे हुए हैं।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में इंगित शब्द सीमा को ध्यान में रखिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions:

There are **TWELVE** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both, in **HINDI** and in **ENGLISH**.

All questions are compulsory.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Keep the word limit indicated in the questions in mind.

Any page or portion of the page left blank in the Questions-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

1. (a)

साध्य साधनों को उचित नहीं ठहरा सकता है, इसका सरल और स्पष्ट कारण यह है कि प्रयुक्त साधन ही प्राप्त होने वाले साध्यों की प्रकृति निर्धारित करते हैं। उपयुक्त उदाहरणों के साथ विवेचना कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

The end cannot justify the means, for the simple and obvious reason that the means employed determine the nature of the ends produced. Discuss with suitable examples. (Answer in 150 words)

10

The debate between the inherent superiority of ends and means is an age old one and ^{as} such, reflects the difference between justice in form and substance.

means employed determine the nature of the ends produced

(i) the Kantian deontological duty points to the sacrosanct nature of means — the imperative to respect humans as ends in themselves and not as tools for an end.

(ii) Gandhiji's insistence on purity of means led to the suspension of the NCM after chaun-chaunra

(iii) Amethya Sen believes justice inheres in a unity of 'Niti' and Nyaya — which can be achieved through the right means — equality of opportunity

(iv) Substantive justice can be achieved by taking everyone together. This justifies affirmative action rather than unbridled meritocracy.

(v) War is a bad because it entails devastation and ignores better alternatives such as diplomacy.

Ends are important, still

(i) the utilitarian principle underlines most policymaking, as it is impossible to uphold all interests at the same time.

(ii) Economic growth is promoted even as it comes at the cost of rising inequality and environmental destruction.

(iii) a just war is one fought for democratic principles.

So, there is a need for a balance between means & ends, as the two pillars of a just society.

1. (b)

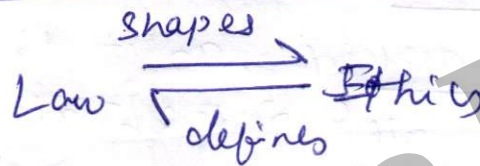
चर्चा कीजिए कि कानून एवं नैतिकता के बीच का संबंध किस प्रकार गतिशील होता है और सामाजिक परिवर्तनों द्वारा निरंतर आकार ग्रहण करता है। इस गतिशील संबंध को स्पष्ट करने के लिए उदाहरण प्रस्तुत कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Discuss how the relationship between law and ethics is dynamic and continuously shaped by societal changes. Provide examples to illustrate this dynamic relationship. (Answer in 150 words)

10

Ethics is the societal norms of moral conduct, while law is a codification of these norms under the threat of penalisation.

Dynamic relationship between law and ethics



(i) The adherence to law itself is considered an ethical precept in modern societies

(ii) however, only those laws that align with an overarching sense of morality, are upheld
eg - civil disobedience w.r.t. salt tax

(iii) laws that violate natural justice are struck down (eg - maneka Gandhi case upheld due process)

(iv) at the same time, ethics tend to evolve and shape laws accordingly.
eg - Nartej Johar case - decriminalisation of homosexuality an effect of evolving constitutional morality.

Societal changes affect law and ethics

Positive

(i) recognition of the rights of transgender persons - Transgender persons Act 2019

(ii) value of human life - abolition of death penalty in many countries

Negative

(i) growing intolerance leads to restrictive religious laws (anti-conversion)

(ii) lack of criminalisation of mental rape due to patriarchal values.

So, law & ethics are a dynamic complex shaped by societal mores & values.

2. (a)

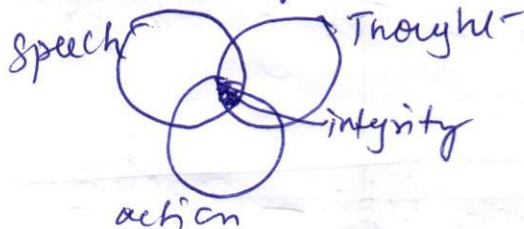
उपयुक्त उदाहरणों के साथ शुचिता (प्रोबिटी) और सत्यनिष्ठा के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए। ये मूल्य सिविल सेवाओं में नैतिक अभिशासन और निर्णय-निर्माण में किस प्रकार योगदान देते हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Differentiate between probity and integrity with suitable examples. How do these values contribute to ethical governance and decision-making in the civil services? (Answer in 150 words)

10

Integrity

(i) refers to the quality of being consistent in thought, speech, action, no matter the consequence



eg - Gandhi's commitment to non-violence

(ii) Integrity can be intellectual, asthetic, moral

(iii) Integrity is often directed at one's inner life

Probity

(i) unwavering adherence to the highest moral principles -

honesty, integrity, transparency etc.

eg - IAS officer Sagayam's fight against the mafia despite attacks.

(ii) probity inherently deals with moral principles

(iii) probity is fostered through conscience & public institutions

Integrity and probity as cornerstones of ethical governance and decision-making in civil services

उम्मीदवारों को इस क्राशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(i) avoidance of corruption - probity, both individual & institutional, a must for avoiding abuse of public funds, power.

(ii) objectivity in decision-making
→ not allow selfish interests or loyalties to guide public choice

(iii) Transparency and accountability in the interest of public interest.

(iv) Institutional integrity

eg - T. N. Sheshan built up the ECI as a strong institution, despite rampant political backlash.

The Nolan Committee on public service recognises integrity as a foundational value of public servants to uphold probity in public office.

2. (b)

लोक प्रशासन में सूचना को गुप्त बनाए रखने के नैतिक निहितार्थों पर चर्चा कीजिए। पारदर्शिता किस प्रकार सरकारी संस्थाओं में जवाबदेही को बढ़ा सकती है और भ्रष्टाचार को कम कर सकती है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Discuss the ethical implications of withholding information in public administration. How can transparency enhance accountability and reduce corruption in government institutions? (Answer in 150 words)

10

According to former US Justice Louis Brandeis - 'Sunlight is the best of disinfectants.' Transparency acts as sunlight in the dark alleys of public office.

Ethical implications of withholding information in public administration

- (i) erodes public trust by creating barriers between public office & the citizenry
- (ii) promotes corruption of the collusive kind (Babu-Neta-Business) nexus
- (iii) prevents citizens from knowing their rights, entitlements
- (iv) Imbalance in the allocation of resources
- (v) violation of Rule of law, Natural justice

(vi) undermines people's sovereignty

Transparency enhances accountability and
reduces corruption

(i) the RTI enables the citizens to scrutinise public decisions and
hold officials to account

(ii) the disclosure of list of
beneficiaries in local offices, ensures
people know the criteria for
disbursal of public money.

(iii) RTI used to reveal, unearth
corruption (Bh, Adarsh, CWG).

(iv) RTI reveals the functioning
of public institutions
eg - Puja Khedker's deceitful
entry into the civil services.

By transparency is
the cornerstone of all political
power & fosters accountability.

3.

निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके विचार से क्या अभिप्राय है?

What do each of the following quotations mean to you?

(a)

"एक सभ्य घर के बराबर कोई स्कूल नहीं है और सद्गुणी माता-पिता के बराबर कोई शिक्षक नहीं है।"- महात्मा गांधी (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"There is no school equal to a decent home and no teacher equal to a virtuous parent."- Mahatma Gandhi (Answer in 150 words)

10

The Statement by Mahatma Gandhi points to the power of socialisation and its abiding influence on an individual.

No school equal to a decent home, no teacher to a virtuous parent

(i) Family (home) as the first school, parents as the first teachers

(ii) they instill the values that abide through one's life.

(iii) Schools & teachers come only next to family and can't alter the foundational values laid at home.

(iv) we see this in the differences amongst peers attending the same school, whose home values largely determine attitude towards life, society, work ethic and so on.

(v) a child of a dysfunctional family often ends up struggling, even with a good education.

So, the power of primary socialisation in instilling long-term ethical values can not be underestimated.

3. (b)

"हर कोई दुनिया को बदलने के बारे में सोचता है, लेकिन कोई भी खुद को बदलने के बारे में नहीं सोचता।" - लियो टॉल्स्टॉय (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"Everyone thinks of changing the world, but no one thinks of changing himself." - Leo Tolstoy (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को इस हाथिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Leo Tolstoy here talks about the natural human tendency to look for foibles in others, without seeking to better oneself.

→ This also tracks closely to a quote attributed to Gandhiji - "Be the change you wish to see in the world."

The quote means the following to me

(i) recognise that society is a reflection of one's own self as well as others,

(ii) to wait for others to change society is to disown one's duty to society

(iii) it violates the basic duty of care one owes to others
→ life is not about unbridled pleasure & consumption,

it is also about service.

In modern parlance, the Statement incorporates

(i) CBDR - Common but differentiated responsibilities

→ Countries should not wait for others to act on climate change.

(ii) Proactive foreign policy that seeks to promote peace
→ major nations should lead the way by stopping proliferation

(iii) Tolerance, acceptance in society by embracing different view points.

So, before we set out to change the world, we must begin to change ourselves first. 'Charity begins at home.'

3. (c)

"जो सही है उसे देखकर भी उसे न करना कायरता है।" - कन्फ्यूशियस (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"To see what is right and not do it is a lack of courage." - Confucius (Answer in 150 words) 10

The quote by Confucius here points to the immense scope to be courageous, even on the part of ordinary human beings living ordinary lives.

It means the following to me -

(i) one must stand up for one's convictions, no matter the cost.

(ii) to not do so, is to undermine the value of life - to live in perpetual fear of failure.

(iii) it doesn't matter whether one is successful; the recognition of the right thing itself should drive one to action.

(iv) in this context, Mahatma Gandhi said that between

Cowardice & violence, he will choose
the latter

→ for to be cowardly, is to die a
thousand deaths.

(v) this holds great lessons for
an ethical life

→ integrity must be the foundational
value of life as it allows
one to live in alignment with
one's beliefs about ^{what is} ~~the~~ right.

4. (a)

किसी व्यक्ति में सकारात्मक अभिवृत्ति उत्पन्न करने वाले कारक कौन-से हैं? सकारात्मक अभिवृत्ति सिविल सेवकों को अपने कर्तव्यों के निर्वहन में उनकी कार्यक्षमता को कैसे बढ़ाती है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

What factors lead to a positive attitude in a person? How does positive attitude enhance the effectiveness of civil servants in performing their duties? (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को इस हिसाब में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Attitude is a predisposition to act in a certain way. A positive attitude is reflected in optimism, willingness to help others and live a full life.

Factors leading to a positive attitude

(i) experiences with family, friends, society.

(ii) social influences of role models engender the right work ethic, compassion; eg - some good's humanitarian efforts

(iii) beliefs about other people

→ if a person is generally trusting, he tends to be positive

(iv) a general sense of fulfilment, happiness in life.

Positive attitude enhances effectiveness of civil servants in performing duties

(i) glass half-full attitude enables them to see the successes in failures

(ii) problem solving in crises eg- during COVID-19

(iii) allows them to be not bogged down by organisational failures, apathy, tedium

(iv) enables a democratic, participatory attitude.

So, a positive attitude allows civil servants to navigate the vicissitudes of public life with equanimity and compassion.

4. (b)

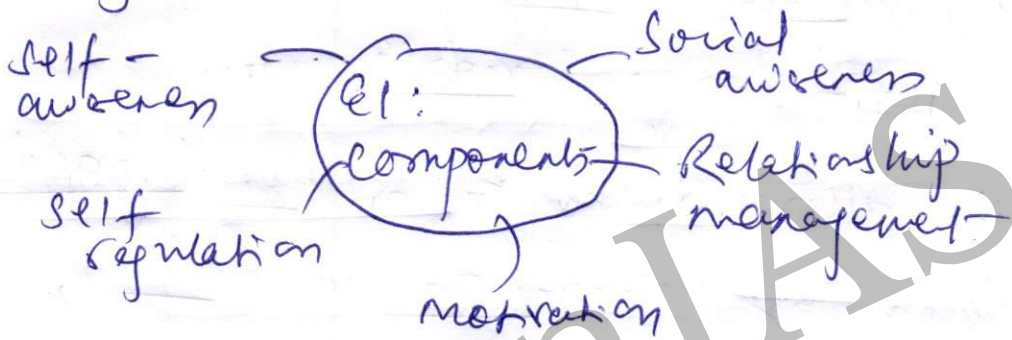
चर्चा कीजिए कि भावनात्मक बुद्धिमत्ता सीमित सार्वजनिक संसाधनों के आवंटन से संबंधित नैतिक निर्णयन को किस प्रकार प्रभावित कर सकती है। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Discuss how emotional intelligence can influence ethical decision-making in the allocation of scarce public resources. (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Emotional intelligence refers to the ability to understand one's own & others' feelings and act in accordance, to promote organisational & public interest.



(a) EI can influence ethical decision-making in allocation of scarce public resources

(i) adhere to rules and objective criteria without getting emotionally manipulated

→ it is difficult to adhere to rules when one sees rampant misdeed; but EI enables one to see the larger picture.

(ii) uphold public interest and not be driven by private life appeals
→ family and friends must not be given preference.

(iii) Leadership and organisational ethics — J. N. Sheshan's ability to uphold ECI's integrity despite frequent political pressure.

(iv) to remain calm in the face of crises.

So, EQ enables ethical choice making despite emotional upheavals.

5. (a)

विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय मानवतावादी संगठन विश्व भर के संघर्षग्रस्त क्षेत्रों में आपातकालीन सहायता प्रदान करते हैं। ऐसे संगठनों द्वारा सामना की जाने वाली नैतिक चुनौतियों पर प्रकाश डालिए। अंतर्राष्ट्रीय मानवतावादी कार्यों के मार्गदर्शक सिद्धांत कौन-से हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Various international humanitarian organizations provide emergency aid in conflict zones around the world. Highlight the ethical challenges faced by such organizations. What are the principles that guide international humanitarian work? (Answer in 150 words)

उम्मीदवारों को इस ह्रासिए में नही लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

10

Humanitarian organisations providing emergency aid in conflict zones are buffeted by dangers to their staff and to the objectives of charity.

Ethical challenges

→ killing of aid workers
eg - UNRWA workers,
UN Food workers

→ corruption in aid allocation - local thugs take lion's share

→ allocating scarce resources among people

→ the need to prioritise urgent needs.

Principles that guide international humanitarian conflict -

- (i) Kantian duties - to treat human beings as ends
- (ii) Prioritise the most urgent needs
- (iii) the Hague Principles protect the Red Cross & aid workers from attack in war.
- (iv) Jus in bello (or the ethics of war during conflict) also encourage the protection of civilians during war.

So, humanitarian aid during conflict - is a reflection of abiding humanity even in the face of war.

5. (b)

अनुनय को सिविल सेवकों के लिए एक महत्वपूर्ण कौशल क्यों माना जाता है? गवर्नेंस में अनुनय को मार्गदर्शित करने वाले मुख्य विचार क्या हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Why is persuasion regarded as an important skill for civil servants? What are the key considerations that should guide persuasion in governance? (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को इस हार्शिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Persuasion refers to the use of behavioural nudges and the use of effective communication to effect behavioural changes, rather than through diktat or law.

Persuasion an important skill for civil servants-

(i) to effect social change -

eg - use of toilets to make villages open-defecation-free

(ii) to handle sensitive issues

eg - family planning adoption

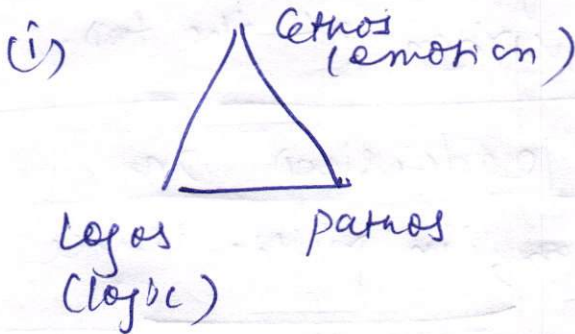
(iii) to balance public interests

with religious beliefs

eg - promote preference for girl child

(iv) to promote group interest over narrow interests - persuading farmers to let their land be acquired.

Considerations that guide persuasion



(ii) autonomy of the people
→ so, default judges be the most appropriate

(iii) dignity of people

so, persuasion is a crucial tool for social change, but must be used to augment welfare, without violating autonomy.

6. (a)

विशेष रूप से लोक सेवा में, भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने में नैतिक नेतृत्व क्या भूमिका निभा सकता है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

What role can ethical leadership play in curbing corruption, especially in public service? (Answer in 150 words)

10

Corruption often takes root because of lack of role model in leadership and an impression of collusive corruption at the top.

Role of ethical leadership in curbing corruption, in public service

(i) laying an organisational ethos

→ examples set at the top percolate down

(ii) acting decisively against acts of corruption to establish deterrence

(iii) Stringent action against rule violation by business, corporations.

(iv) uphold probity, transparency in
the highest offices
→ sua motu disclosures

so, corruption can be
reduced & eliminated through
moral leadership.

VisionIAS

6. (b)

स्वामी दयानंद सरस्वती की प्रमुख शिक्षाएं क्या थीं? वर्तमान समय में, भारत में विद्यमान नैतिक एवं सामाजिक चुनौतियों से निपटने के लिए उनकी प्रासंगिकता की व्याख्या कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
What were the major teachings of Swami Dayanand Saraswati? Explain their relevance in addressing the current ethical and social challenges in India. (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को इस हशिप में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Swami Dayanand Saraswati spearheaded the 'Arya Samaj' movement as a revivalist reform movement seeking to reform Hindu religion in 19th century.

Teachings of Swami

- (i) the sanctity of the vedas for moral-philosophic life
- (ii) equality of all beings
- (iii) inclusion of the low castes, women in religious function
- (iv) fair right to read scriptures
- (v) denounced the caste system, sati, ritualism

(i) laid emphasis on education.

Relevance in current challenges

(i) to stem caste exploitation,
violence

(ii) to promote educational opportunities
for all

(iii) equality of women & empowerment.

So, Swami Dayanand
Saraswati's teachings remain relevant
for current ethical, social challenges

7. मरियम एक प्रतिभाशाली और दृढ़ निश्चयी इंजीनियर है। हाल ही में, उसे XYZ Corp में काम पर रखा गया था, जो कि मुख्य रूप से पुरुष कर्मचारियों वाली एक प्रसिद्ध विनिर्माण कंपनी है। यह नौकरी मरियम के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, क्योंकि इसमें उसे अच्छा वेतन प्राप्त होता है जिससे उसे और उसके परिवार को आर्थिक रूप से सहायता मिलती है।

प्रारंभ में मरियम अपनी नई भूमिका को लेकर उत्साहित थी, लेकिन उसका उत्साह जल्द ही समाप्त हो गया, जब उसे कई सहकर्मियों द्वारा किए जाने वाले यौन उत्पीड़न का सामना करना पड़ा। उत्पीड़न में उसके रूप-रंग के बारे में अनुचित टिप्पणियों से लेकर अवांछित प्रस्ताव और अश्लील संदेश शामिल थे। मरियम ने कई बार इन घटनाओं के बारे में अपने प्रत्यक्ष पर्यवेक्षक को भी सूचित किया, लेकिन पर्यवेक्षक ने उसकी चिंताओं को यह सुझाव देते हुए खारिज कर दिया, कि वह इन टिप्पणियों को हानिरहित मजाक और कार्यस्थल संस्कृति का हिस्सा समझे।

जैसे-जैसे उत्पीड़न निरंतर तीव्र हुआ, मरियम का कार्य-निष्पादन प्रभावित होने लगा। साथ ही, इससे उसके तनाव में भी निरंतर वृद्धि होती गई, वह लगातार तनाव में रहने लगी वह अपने काम पर ध्यान केंद्रित करने में असमर्थ हो गई तथा टीम मीटिंग और सहयोगियों वाले प्रोजेक्ट्स में असहज महसूस करने लगी। असुरक्षित कार्य परिवेश उसके मानसिक स्वास्थ्य और करियर की संभावनाओं पर भारी पड़ता जा रहा था।

करण उसका एक सहकर्मी है, जिसने मरियम के साथ ही XYZ Corp में जाँइन किया था। उसने मरियम के व्यवहार में परिवर्तन और अपने सहकर्मियों के अनुचित व्यवहार को नोटिस किया। वह और मरियम मित्र बन गए थे, वे अक्सर कार्य से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करते थे और अपने प्रोजेक्ट में एक-दूसरे की सहायता करते थे। करण इस स्थिति के बारे में अत्यधिक चिंतित था लेकिन उसे समझ नहीं आ रहा था कि मरियम के लिए स्थिति को बदतर किए बिना कैसे हस्तक्षेप किया जाए।

एक दिन, मरियम को टीम के एक वरिष्ठ सदस्य से एक बेहद अपमानजनक संदेश प्राप्त हुआ, जिससे वह कई घंटों तक रोती रही। मरियम अत्यधिक व्याकुल अवस्था में ब्रेक रूम में बैठी थी, करण ने वहां जाकर उसे सांत्वना दी। उसके साथ हुए उत्पीड़न की पूरी कहानी सुनने के बाद, करण ने उसे POSH (यौन उत्पीड़न की रोकथाम) अधिनियम के तहत शिकायत दर्ज करने का सुझाव दिया। उसने बताया कि यह अधिनियम उसके जैसे कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए बनाया गया है और कंपनी कानूनी रूप से ऐसी शिकायतों से निपटने के लिए बाध्य है।

हालांकि, प्रतिशोध और अपनी नौकरी जाने के भय से मरियम ने शिकायत दर्ज कराने से इनकार कर दिया। उसने चिंता व्यक्त की कि उसे एक अशांति उत्पन्न करने वाले (Troublemaker) कर्मचारी के रूप में लेबल किया जा सकता है और इससे इंडस्ट्री में उसके भावी करियर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। मरियम ने यह भी उल्लेख किया कि उसका परिवार उसकी आय पर निर्भर है और वह अपनी नौकरी खोने का जोखिम नहीं उठा सकती।

करण को ज्ञात है कि POSH अधिनियम पीड़ित महिला की ओर से किसी अन्य व्यक्ति को भी शिकायत दर्ज करने की अनुमति देता है। वह स्वयं इस घटना की रिपोर्ट करने पर विचार कर रहा है। उसका मानना है कि मरियम और अन्य महिला कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए असुरक्षित कार्य परिवेश को सही करने की आवश्यकता है। हालांकि, वह मरियम पर इसके पड़ने वाले प्रभाव के बारे में चिंतित है, खासकर उसके आगे आने की अनिच्छा को देखते हुए।

यह स्थिति तब और जटिल हो गई, जब करण ने हाल ही में एक बातचीत सुनी जिसमें सुझाव दिया गया था कि XYZ Corp एक बड़े विस्तार की योजना बना रहा है, जिससे कर्मचारियों को पदोन्नति और नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं। उसे चिंता है कि शिकायत दर्ज करने से न केवल मरियम की वर्तमान स्थिति बल्कि कंपनी के भीतर उसकी भविष्य की संभावनाएं भी खतरे में पड़ सकती हैं।

- (a) मरियम की इच्छा के विरुद्ध घटना की रिपोर्ट करने का निर्णय लेने में करण द्वारा सामना की जाने वाली नैतिक दुविधा पर चर्चा कीजिए।
- (b) करण के समक्ष उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए। इनमें से उसे कौन-सा विकल्प चुनना चाहिए और क्यों?
- (c) यौन उत्पीड़न को रोकने और उसका समाधान करने तथा समावेशी कार्यस्थल परिवेश का निर्माण करने में XYZ Corp जैसे संगठनों की क्या जिम्मेदारियां हैं? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Mariyam, a talented and driven engineer, was recently hired at XYZ Corp, a well-known manufacturing company with a predominantly male workforce. This job was a significant achievement for Mariyam, as it offered a good salary that supports her and her family financially.

Initially excited about her new role, Mariyam's enthusiasm quickly faded as she began experiencing sexual harassment from several colleagues. The harassment ranged from inappropriate comments about her appearance to unwanted advances and suggestive messages. Mariyam occasionally confided to her direct supervisor about these incidents, but he dismissed her concerns, suggesting she view these comments as harmless jokes and part of the workplace culture.

As the harassment continued and intensified, Mariyam's job performance began to suffer. She found herself constantly stressed, unable to concentrate on her work, and increasingly uncomfortable in team meetings and collaborative projects. The toxic work environment was taking a toll on her mental health and career prospects.

Karan, a colleague who joined XYZ Corp around the same time as Mariyam, noticed the change in her demeanor and the inappropriate behavior of their coworkers. He and Mariyam had become friends, often discussing work-related matters and supporting each other in their projects. Karan was deeply concerned about the situation but felt unsure about how to intervene without making things worse for Mariyam.

One day, Mariyam received an exceptionally offensive message from a senior team member, leaving her in tears for several hours. Karan found her in the break room, visibly distraught, and spent time consoling her. After hearing the full extent of the harassment she had been enduring, Karan suggested she file a complaint under the POSH (Prevention of Sexual Harassment) Act. He explained that the Act was designed to protect employees like her and that the company was legally obligated to address such complaints.

However, Mariyam, fearing retaliation and the potential loss of her job, refused to lodge the complaint. She expressed concerns about being labeled a troublemaker and worried that it might affect her future career prospects in the industry. Mariyam also mentioned that her family was dependent on her income, and she could not risk losing her job.

Karan is aware that the POSH Act permits lodging a complaint on behalf of the aggrieved woman. He is considering reporting the incident himself, believing that the toxic work environment needs to be addressed for the sake of Mariyam and other female employees. However, he is wary about the impact this may have on Mariyam, especially given her reluctance to come forward.

Adding to the complexity of the situation, Karan recently overheard a conversation suggesting that XYZ Corp is planning a major expansion, which could lead to promotions and new opportunities for employees. He worries that filing a complaint might jeopardize not only Mariyam's current position but also her future prospects within the company.

- (a) Discuss the ethical dilemma Karan faces in deciding whether to report the incident against Mariyam's wishes.
- (b) Evaluate the options available to Karan. Which of these options should he choose and why?
- (c) What responsibilities do organizations like XYZ Corp have in preventing and addressing sexual harassment and creating inclusive workplace environments? (Answer in 250 words)20

7.

The case outlined above points to the perils of sexual harassment at the workplace and how it jeopardises the career prospects of women, even as it causes grave mental trauma.

(a) ethical dilemma Kanan faces

- (i) respect for Mariyam's autonomy vs. his duty to safeguard workplace safety -
- (ii) his obligation to Mariyam vs. duty to Society at large as sexual harassment engenders societal mores (to be an agent of change)
- (iii) Kanan's sense of integrity, propriety vs. the Kantian imperative to treat Mariam as a human being (an end in itself)
- (iv) respect for Mariyam's privacy, family welfare vs. respect for the law of the land (lays public interest).

(b)

options available to Kanan

(i) Do nothing, keep quiet

Merits

- respects Mariyam's wishes
- doesn't jeopardise Mariyam's career
- strengthens her family's income

Benefits

- violates Kanan's obligation under POSH
- fails to be an agent of change
- promotes a culture of secrecy, toxicity.

(ii) Go ahead and lodge a complaint

Merits

- the requirements under POSH are met
- the toxic work culture is out in the open
- the Mariam receives justice & the culprits brought to task.

Benefits

- violates Mariam's dignity, autonomy, agency
- jeopardises Mariam's career, future prospects
- leads to penalty

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(iii) Persuade Mariyam that - lodging a complaint - is the right thing and that Karan will be a witness

Merits

- treats Mariyam as an agent - of her own situation
- respects her autonomy; doesn't violate trust.
- Karan's testimony will prevent any ex-post adverse finding against Mariyam - will protect her career
- bring in change through leadership

Demerits

- Mariyam may not agree
- will allow work culture to remain toxic

Karan should choose

the 3rd option -

- as it allows him to persuade Mariyam without imposing his will
- it is empowering, rather than

demeaning
→ it enables both Karan & Mesigam to
strengthen societal values against
sexual harassment.

उम्मीदवारों को
इस हार्जिन में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

(c)

Responsibilities of org.s like XYZ corp

Preventing sexual harassment

→ have a zero-tolerance policy for
harassment

→ stringent prescribed action for
defence

→ safeguards against whistleblowers,
complainants

→ Committee for safety of women.

Addressing harassment

→ quick disciplinary hearing

→ no exposte decisions

→ suspension and lodging of criminal
complaint if found guilty.

So, the protection of
women at workplace is critical to
uphold sancity of the work culture,
to promote the participation of
women in the labourforce.

8.

जय एक सिविल सेवक है जिसे एक वर्ष पूर्व राज्य के शिक्षा विभाग में आयुक्त के रूप में नियुक्त किया गया था। अपने शुरुआती महीनों में, उसने कई ऐसी नीतियों और कार्यक्रमों को लागू किया, जिससे शिक्षा मंत्रालय के कामकाज में सकारात्मक बदलाव आ रहे थे तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि हो रही थी, जो आगामी चुनावों में संबंधित मंत्री के लिए लाभकारी हो सकती थी।

हालांकि, जय को अब एक महत्वपूर्ण चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। अपनी जिम्मेदारियों के भाग के रूप में, उसे सरकारी स्कूलों के लिए नए शिक्षकों की भर्ती को मंजूरी देनी होगी। उसे रिक्त पदों के लिए अनुशंसित 120 उम्मीदवारों की सूची प्राप्त हुई है, लेकिन उसे यह संदेह है कि भर्ती प्रक्रिया अनुचित थी। जय को कई शिकायतें भी प्राप्त हुई थीं, जिनमें दावा किया गया था कि यह भर्ती प्रक्रिया योग्यता आधारित नहीं थी।

समीक्षा करने पर, जय को ऐसे साक्ष्य प्राप्त हुए जो यह स्पष्ट करते हैं कि सूची में कई नाम राजनीतिक संरक्षण का परिणाम हैं। राजनीतिक संरक्षण राज्य में एक प्रचलित मुद्दा है, जहां राजनेता राजनीतिक समर्थन प्राप्त करने के लिए भर्ती का उपयोग करते हैं। जय का मानना है कि चुनाव नजदीक होने के कारण शिक्षा मंत्री भी इस कार्य में संलग्न है।

यह स्थिति जय को एक पुरानी घटना की याद दिलाती है जब एक जूनियर अधिकारी के रूप में, उसने एक अनावश्यक खरीद अनुरोध को स्वीकार करने से इनकार कर दिया था। परिणामस्वरूप, उसे एक समाह के भीतर ही स्थानांतरित कर दिया गया तथा उसे और उसके परिवार को बदले की कार्रवाई के रूप में तुच्छ भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना करना पड़ा। उसके स्थान पर नियुक्त अधिकारी ने और भी उच्च दरों पर खरीद को मंजूरी दे दी।

जय अब इस बात को लेकर चिंतित है कि मौजूदा भर्ती को रोकने से ऐसे ही परिणाम सामने आ सकते हैं। इसके अलावा, उसे भय है कि यदि वह इस अनुचित भर्ती प्रक्रिया के खिलाफ खड़ा होता है तो शिक्षा मंत्रालय में उसके द्वारा व्यक्तिगत रूप से शुरू की गई परियोजनाओं को समाप्त किया जा सकता है।

- (a) शिक्षा विभाग के आयुक्त के रूप में जय के पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं? इनमें से प्रत्येक विकल्प का मूल्यांकन कीजिए।
- (b) जय को कौन-सा विकल्प अपनाना चाहिए और क्यों?
- (c) जय जैसे सिविल सेवकों को अपने दायित्वों के निर्वहन में नैतिक मानकों को बनाए रखने के प्रयास के दौरान बेहतर सुरक्षा कैसे प्रदान की जा सकती है? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Jay, a civil servant, was appointed as the Commissioner in the state's Education Department a year ago. In his initial months, he implemented several policies and programmes that were transforming the Education Ministry's operations, gaining a good reputation that could potentially benefit the concerned minister in the upcoming elections.

However, Jay now faces a significant challenge. As part of his responsibilities, he must approve the recruitment of new teachers for government schools. He has received a list of 120 candidates recommended for vacant posts, but suspects the recruitment process was unfair. Jay had also received several complaints claiming that the process had not been meritocratic.

Upon review, Jay discovers evidence suggesting that many names on the list are the result of political patronage - a prevalent issue in the state where politicians use recruitment to gain political support. Jay believes the Education Minister is engaging in this practice as the election season approaches.

This situation reminds Jay of a past incident when, as a junior officer, he refused to entertain an unnecessary procurement request. Consequently, he was transferred within a week, and he and his family faced frivolous anti-corruption complaints as retaliation. His successor approved the procurement at even higher rates.

Jay is now concerned that blocking the current recruitment could lead to similar consequences. Moreover, he fears that the projects he personally initiated in the Education Ministry might be abandoned if he takes a stand against this unfair recruitment process.

- (a) What are the options available to Jay as the Commissioner of the Education Department? Evaluate each of these options.
- (b) What option should Jay adopt and why?
- (c) How can civil servants like Jay be better protected when they attempt to uphold ethical standards in their work? (Answer in 250 words)

उम्मीदवारों को
इस हार्गिफ में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

Jay's predicament is emblematic of the inherent nature of public service, the need to constantly navigate difficult political pitfalls.

(a) options available to Jay

(b) Accept the list without disclosing evidence

merits

→ allows Jay to continue his projects at the ministry
→ his family members do not have to face frivolous charges

demerits

→ violates the basic demands of integrity, probity, transparency
→ promotes public corruption
→ allows the bureaucracy to be politicised
→ violates public trust
→ not fair to applicants

(iii) Cancel the list, after disclosing evidence of corruption

Merits

- upholds the law
- zero-tolerance for corruption
- promotes Jay's integrity, probity, honesty
- fosters public trust in govt.

Demerits

- Political backlash against Jay; Involves charges
- Jay will be transferred again - his good work at the ministry reversed

(iv) speak to the minister in confidence, provide evidence of corruption and cancel the list. Convince the minister that he would consider the relevant names on merit.

Merits

- allows Jay to foster civil servant - bureaucrat confidence
- gives the minister a chance to correct the failure.

Demerits

- minister may not agree
- Jay would still face a transfer, involves charges

→ upholds public interest

(b)

Jay should choose the 3rd

option -

→ as it allows him to move through the right protocol.

→ at the same time, he may use his rapport with the minister and his reputation as a honest civil servant, to convince the minister of the right course of action.

→ Jay will cancel the list anyway, upholding public interest.

→ The consequences of the right decision can't be a factor in his choice as 'Dharma Rakshak Rakshita'.

(c)

Certain institutional measures are needed to protect civil servants like Jay when they attempt to uphold ethical standards -

- (i) Performance assessment on defined metrics - remove arbitrariness
- (ii) T & R Subramanyan's recommendations about civil services Board as the nodal agency on transfers, postings
- (iii) Fixed tenure for key positions
- (iv) Defined rules for civil servant - political relationship
→ 2nd ARC's outcome-output framework civil servant form
- (v) law to protect - political independence
So, there is a need to enable civil servants to act in public interest without fearing consequences.

9.

X शहर के जिला मजिस्ट्रेट के रूप में, आपको शहरी वन क्षेत्र में एक नए मेट्रो डिपो के निर्माण की देखरेख का दायित्व सौंपा गया है, जो सार्वजनिक परिवहन में सुधार करने और यातायात की भीड़ एवं वायु प्रदूषण को कम करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण अवसंरचनात्मक परियोजना है। हालांकि, इस परियोजना के लिए वन के एक बड़े हिस्से को साफ करने की आवश्यकता है, जिसका पर्यावरण कार्यकर्ताओं, स्थानीय निवासियों और गैर-सरकारी संगठनों ने कड़ा विरोध शुरू कर दिया है। इस वन को प्रायः शहर के "फेफड़े" के रूप में संदर्भित किया जाता है और शहर के पारिस्थितिक संतुलन के लिए व्यापक रूप से आवश्यक माना जाता है।

पर्यावरण संबंधी चिंताओं के अलावा, दो वर्ष में होने वाले आगामी चुनावों को देखते हुए, परियोजना को शीघ्र पूरा करने के लिए राज्य स्तर पर राजनेताओं की ओर से भी आप पर काफी दबाव है। राजनीतिक नेतृत्व शहर के विकास हेतु मेट्रो परियोजना के लाभों और चुनावी समर्थन प्राप्त करने की इसकी क्षमता पर बल दे रहा है।

इस परियोजना से हजारों यात्रियों के लिए यात्रा का समय उल्लेखनीय रूप से कम होने और शहर में वाहनों से होने वाले उत्सर्जन में संभावित कमी आने की उम्मीद है। हालांकि, इससे हजारों वृक्षों की क्षति भी होगी और स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र बाधित होगा।

जब आप कोई निर्णय लेने की तैयारी करते हैं, तो आप जानते हैं कि आपके निर्णय के शहर के विकास और उसके पर्यावरण, दोनों पर दूरगामी परिणाम होंगे।

- उपर्युक्त प्रकरण में शामिल नैतिक दुविधाओं की पहचान कीजिए।
- उपर्युक्त स्थिति में आपके समक्ष उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए। आप इनमें से किस विकल्प को चुनेंगे और क्यों?
- भविष्य की परियोजनाओं में शहरी विकास संबंधी आवश्यकताओं और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित करने के लिए कुछ उपाय सुझाइए। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

As the District Magistrate of X city, you are responsible for overseeing the construction of a new metro depot in an urban forest area, which is a critical infrastructure project aimed at improving public transportation and reducing traffic congestion and air pollution. The project, however, requires the clearance of a substantial portion of the forest, which has triggered strong opposition from environmental activists, local residents, and NGOs. This forest is widely regarded as essential for the city's ecological balance, often referred to as the city's "lungs."

In addition to the environmental concerns, you are under considerable pressure from politicians at the state-level to expedite the project, given the upcoming elections in two years. The political leadership emphasizes the benefits of the metro project for the city's development and its potential to garner electoral support.

The project is expected to significantly reduce travel time for thousands of commuters and potentially decrease overall vehicle emissions in the city. However, it would also lead to the loss of thousands of trees and disrupt local ecosystems.

As you prepare to make a decision, you are aware that your choice will have far-reaching consequences for both the city's development and its environment.

- Identify the ethical dilemmas involved in the above case.
- Evaluate the options available to you in the above situation. Which of these would you choose and why?
- Suggest some measures that could be implemented to balance urban development needs with environmental conservation in future projects. (Answer in 250 words)

उम्मीदवारों को इस हशिफ में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

9.

The case here typifies the ethnically and politically fraught nature of development in dense urban areas with limited but critical forest cover.

(a) Ethical dilemma involved in above case

(i) Development vs. Environmental preservation - urban growth can't take place at the cost of the environment.

(ii) political expediency vs. long term welfare of city 'x' - the govt. can't undertake massive deforestation for immediate political gains.

(iii) Balancing interests of local residents vs. those coming from far off areas

(iv) Reducing vehicle emissions through metro project vs. dumping local preserving forests with high pollution levels.

→ the decision will inevitably involve a trade-off.

उम्मीदवारों को इस हार्शिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

options available to me

(i) Approve the project

merits

- will promote transit-oriented development of city
- make it suitable for future growth
- will serve the interests of far-off commuters
- reduce vehicle emissions
- will be politically expedient

Demerits

- will lead to loss of forest tracts - loss of critical ecosystems
- contribute to heat island effect
- will violate principles of urban forestry.

(ii) Reject the project

merits

- ~~limit growth of the city and restrict economic growth~~

Demerits

- limit growth of the city & restrict economic growth.

→ protect the forests - the 'lungs' of the city

→ uphold the 'precautionary' principle

→ in the interest of local residents

→ affect the commuters adversely

→ may engender adverse political implications.

(iii) conduct an EIA (Environment Impact assessment), public hearing, long term social cost-benefit analysis & then take a decision, while mindbful of alternatives.

Merits

→ allows all city residents to be stakeholders

→ upholds the long term interest of the city - balances both growth & preservation.

Demerits

→ time-consuming
→ may not be politically liked

→ there will be some section which will not be satisfied.

g will choose the

3rd option -

→ as it promotes participatory, good governance

- seeks to look at possible alternatives to environmentally expensive projects.
- considers long-term goals.

(c) means to balance urban development needs with environmental conservation in future projects

- (i) prevent - urban sprawls so that pristine forests are not razed.
- (ii) efficient - usage of land
eg - dense functional use of land around public transport hubs
- (iii) create bypasses or shy areas to protect forests, whenever possible
- (iv) long term Cost-benefit - analysis accounting for the cost of deforestation & its present - value.

So, there is a need to strike a balance between the needs of development & environmental conservation.

10.

डॉ. मेहरा भारत की एक अग्रणी फार्मास्यूटिकल कंपनी में वरिष्ठ ड्रग डेवलपर हैं, जो चिरकालिक और दुर्लभ रोगों के उपचार हेतु महत्वपूर्ण जीवन रक्षक दवाओं सहित विभिन्न दवाओं का उत्पादन करने के लिए प्रसिद्ध हैं। अपनी स्थापना के बाद से ही, कंपनी ने अपनी दवाओं की गुणवत्ता और वहीयता पर बल दिया है।

हाल ही में, संशोधित सरकारी दिशा-निर्देशों के तहत, फार्मास्यूटिकल कंपनियों के लिए सामग्रियों (Ingredients) पर परीक्षण से "संतोषजनक परिणाम" प्राप्त करने के बाद ही तैयार उत्पाद का विपणन करने का प्रावधान किया गया है। इसके अतिरिक्त, उन्हें दवाओं के किसी बैच के बार-बार परीक्षण या सत्यापन के लिए मध्यवर्ती और अंतिम उत्पादों, दोनों के पर्याप्त मात्रा में नमूने रखने होंगे।

डॉ. मेहरा की टीम एक दुर्लभ लेकिन जानलेवा रोग के लिए एक नई दवा विकसित करने के अंतिम चरण में है। नैदानिक परीक्षणों में इस दवा के आशाजनक परिणाम प्राप्त हुए हैं। हालांकि, दवा के दीर्घकालिक दुष्प्रभावों के बारे में अनसुलझी चिंताएं विद्यमान हैं, जो परीक्षण में शामिल विषयों में अत्यधिक कम प्रतिशत के रूप में देखी गई हैं। इसके बावजूद, कंपनी ने पिछले एक दशक में कोई भी महत्वपूर्ण दवा जारी नहीं की है, जिससे बोर्ड के सदस्यों की ओर से दवा की रिलीज़ में तेज़ी लाने के लिए काफी दबाव है।

- उपर्युक्त प्रकरण में शामिल हितधारकों की पहचान कीजिए।
- डॉ. मेहरा द्वारा सामना किए जाने वाले नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।
- उपर्युक्त प्रकरण में डॉ. मेहरा के पास उपलब्ध विकल्पों का विश्लेषण कीजिए। आप इनमें से किसे चुनेंगे और क्यों? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Dr. Mehra is a senior drug developer at a leading pharmaceutical company in India, renowned for producing various medications, including lifesaving drugs critical for treating chronic and rare diseases. Since its inception, the company has emphasized the quality and affordability of its drugs.

Recently, under revised government guidelines, pharmaceutical companies are required to market a finished product only after obtaining "satisfactory results" from tests on the ingredients. Additionally, they must retain a sufficient quantity of samples of both intermediate and final products to allow repeated testing or verification of a batch.

Dr. Mehra's team is in the final stages of developing a new medication for a rare but life-threatening disease. This drug has shown promising results in clinical trials. However, there have been unresolved concerns about the long-term side effects of the drug, observed in a small percentage of trial subjects. Despite this, the company has not released any major drug in the past decade, leading to significant pressure from the board members to expedite the drug's release.

- Identify the stakeholders in the above case study.
- Discuss the ethical issues faced by Dr. Mehra.
- Analyse the options available to Dr. Mehra in the above case. Which of these would you choose and why? (Answer in 250 words)

20

The case here pertains to the need of ethical and legal guardrails in medical research and drug development, in the interest of patients and public health.

(a)

Stakeholders in the case

- (i) Dr. Mehra, the senior drug developer
- (ii) other researchers
- (iii) the company
- (iv) the patients afflicted by the life-threatening diseases
- (v) people used as in the trials
- (vi) the govt., whose mandate is to uphold ethical & legal safeguards
→ ensure sound medical practices.
- (vii) society at large

(b)

ethical issues faced by Dr. Mehra

- (i) his commitment to sound scientific practices can't be compromised for corporate profit
- (ii) Dr. Mehra's duty of care to his patients requires him to release the drug as soon as possible, while ensuring its efficacy & safety.

(iii) Dr. Mehra's legal obligation to ensure that the drug shows 'Satisfactory results'.

(iv) Dr. Mehra, at the same time, owes the company which has supported his research.

(c) options available to Dr. Mehra

(i) uses the drug for release

Merits

→ the company can finally break even

→ the patients with the rare disease will benefit

Demerits

→ the long-term side effect may be insidious

→ the company's & the Dr. Mehra's reputation will be damaged

→ legal repercussions.

(ii) Not release the drug

Merits

- supports patients' safety
- is in full legal, ethical compliance w.r.t. research, clinical trials

Demerits

- will delay access to life-saving drugs
- will financially affect the company
- impair future research prospects of Dr. Mehta

(iii)

disclose side-effects and request emergency-use authorisation while marketing drug

Merits

- allows use of drugs by terminal patients
- is transparent about side-effects - allows doctors to make informed decision
- the company can begin to make a market-foray

Demerits

- may harm the reputation of the company, drug
- govt. may not grant EUA

Dr. Mehra should choose
the 3rd option -
→ as it allows him to balance the
need of terminal patients with the
need to remove side effects
→ balance the need of the company
with his own legal, ethical
obligations

VisionIAS

आपको राज्य शहरी विकास विभाग में अंडर सेक्रेटरी के पद पर नियुक्त किया गया है। विभाग को एक प्रतिष्ठित परियोजना का कार्य सौंपा गया है जिसका उद्देश्य शहरों की अत्यधिक ऐतिहासिक महत्व वाली अवसंरचना को पुनर्जीवित करना है। इस परियोजना के बारे में आप बेहद उत्साहित हैं, जिसमें सार्वजनिक परिवहन का आधुनिकीकरण करना, विरासत भवनों का जीर्णोद्धार करना और शहर के सांस्कृतिक पहलू को संरक्षित करते हुए हरित स्थान का सृजन करना शामिल है।

इस अवसर से उत्साहित होकर, आपने कई सप्ताह तक शोध करके एक व्यापक प्रस्ताव तैयार किया। आपकी योजना में संधारणीय विकास, सामुदायिक जुड़ाव और शहरी नियोजन के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने के लिए अभिनव विचार शामिल थे। आपने अपने सहयोगियों को प्रेरित करने और परियोजना को गति देने की आशा से विभागीय बैठक में ये प्रारंभिक योजनाएं प्रस्तुत कीं।

हालांकि, आपके उत्साह को उदासीनता का सामना करना पड़ा। आपके सहयोगियों ने बहुत कम रुचि दिखाई तथा वे परियोजना के लिए विचारों या प्रयासों का योगदान करने में विफल रहे। चिंतित होकर, आपने अपने वरिष्ठ को उत्साह की कमी की सूचना दी, जो इस परियोजना के प्राधिकारी भी हैं। आपकी निराशा के लिए, वे भी उतना ही उदासीन लग रहे थे, उन्होंने सहजता से उल्लेख किया कि वे छह महीने में सेवानिवृत्त होने वाले हैं और इस परियोजना की अवधि अधिक लंबी है।

परियोजना को सफल होते देखने के लिए दृढ़ संकल्पित होकर, आपने इसे आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी अपने ऊपर ले ली। पिछले दो महीनों से, आप अपने परिवार के साथ समय व्यतीत करने के अवसरों का त्याग करते हुए, दिन में 12 घंटे से अधिक, अक्सर देर रात तक काम कर रहे हैं। आपका समर्पण इस परियोजना की शहर के निवासियों के जीवन को बदलने और भावी पीढ़ियों के लिए शहर की समृद्ध विरासत को संरक्षित करने की क्षमता में आपके विश्वास से प्रेरित है।

परियोजना के दो महीने बाद मुख्य सचिव द्वारा समीक्षा बैठक बुलाई जाती है। बैठक के दौरान, विभिन्न क्षेत्रों के विभाग प्रमुख वर्तमान में जारी और आगामी परियोजनाओं पर चर्चा करने के लिए उपस्थित होते हैं। जब शहरी पुनरुद्धार परियोजना प्रस्तुत करने का समय आता है, तो आपका बॉस अथवा वरिष्ठ खड़ा हो जाता है। आपको आश्चर्य होता है कि वह आपके ड्राफ्ट प्रस्ताव को अपने काम के रूप में प्रस्तुत करता है और नवीन विचारों एवं व्यापक योजना का सारा श्रेय ले लेता है।

जब आप वहां बैठे हुए अपने वरिष्ठ को आपकी कड़ी मेहनत को अपना बताते हुए सुनते हैं, तो आप क्रोध, निराशा और मनोबल की कमी को संयुक्त रूप से महसूस करते हैं। यह घटना न केवल आपके प्रयासों को कमजोर करती है बल्कि आपको ऐसी कार्य संस्कृति में अपने समर्पण के मूल्य पर भी प्रश्न उठाने के लिए विवश करती है जो सहयोग का समर्थन नहीं करती है या व्यक्तिगत योगदान को मान्यता नहीं देती है।

- (a) इस प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।
- (b) उपर्युक्त कार्य संस्कृति कार्यस्थल पर मनोबल और उत्पादकता को किस प्रकार प्रभावित करती है?
- (c) आपके पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं और आप इस स्थिति का समाधान किस प्रकार करेंगे? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You have been appointed as the Under Secretary in the State Urban Development Department. The Department has been tasked with a prestigious project aimed at revitalizing the infrastructure of a city with deep historical significance. This project, which you are extremely passionate about, involves modernizing public transportation, restoring heritage buildings, and creating green spaces while preserving the city's cultural essence.

Excited by the opportunity, you spent weeks researching and drafting a comprehensive proposal. Your plan included innovative ideas for sustainable development, community engagement, and leveraging technology for urban planning. You presented these initial plans in a departmental meeting, hoping to inspire your colleagues and kickstart the project.

However, your enthusiasm was met with indifference. Your colleagues showed little interest, failing to contribute ideas or efforts towards the project. Concerned, you reported this lack of enthusiasm to your immediate superior, who is also the authority for this project. To your dismay,

he seemed equally indifferent, casually mentioning that he is set to retire in six months and that the project has a long gestation period.

Determined to see the project succeed, you took it upon yourself to drive it forward. For the past two months, you have been working more than 12 hours a day, often late into the night, sacrificing time with your family. Your dedication is driven by your belief in the project's potential to transform the lives of the city's residents and preserve its rich heritage for future generations.

Two months into the project, a review meeting is called by the Chief Secretary. During the meeting, Department heads from various sectors are present to discuss ongoing and upcoming projects. When it is time to present the urban revitalization project, your boss stands up. To your shock, he presents your draft proposal as his own work, taking all the credit for the innovative ideas and comprehensive planning.

As you sit there, listening to your superior claim your hard work as his own, you feel a mix of anger, disappointment, and demoralization. This incident not only undermines your efforts but also leaves you questioning the value of your dedication in a work culture that does not seem to support collaboration or recognize individual contributions.

- (a) Discuss the ethical issues involved in this case.
(b) How does the above-mentioned work culture affect workplace morale and productivity?
(c) What are the options available to you and how would you address the situation? (Answer in 250 words)

20

11.

The case here highlights the pertinence of emotional intelligence in dealing with workplace apathy, even outright-deception.

(a)

ethical issues involved in this case

- (i) lack of dedication in the public sphere - lack of motivation
- (ii) absence of public interest in govt. decision-making

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

- (iii) absence of healthy work culture
- (iv) failure of leadership, as shown
by the deft. head
- (v) my failure to balance work life
with private life.
- (vi) violation of integrity, honesty,
transparency

16)

effect of the above work culture
on workplace culture morale,
productivity

- (i) demoralises enthusiastic offices
- (ii) reduces work effort as
individuals become indifferent
- (iii) induces anger, jealousy,
Self-loathing
- (iv) one begins to look at work
without-motivation - as something
to be tolerated

(v) fails to develop an organisational work ethic, code of ethics.

(vi) erosion of public trust & confidence in the organisation.

(L) options available to me

(i) Stand up and claim the draft as mine

demerits

- is petty, insolent
- violates protocol
- backlash from dept. head - transfer, promotion held
- not emotionally intelligent

demerits

- Shows the draft as mine
- upholds the sanctity of my effort

(ii) Do nothing

merits

- doesn't anger the dept. head
- my position subordinated

demerits

- my frustration will endure
- others will

take advantage of
my silence
→ the deptt. head
will bully me
in future

(iii) Take to my head; give in writing
if he is not contrite

Merits

- will assert my rights
- the deptt. head will not repeat this in future

Demerits

- the head might get angry
- punishment transfer, posting

I will choose the 3rd

Option -

- allows me to uphold my self-respect.
- follows protocol
- will not let the action of one man dictate my commitment to public service.

अरुण अपनी सत्यनिष्ठा और समर्पण के लिए प्रसिद्ध है। हाल ही में, उसने राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में अधीक्षक की भूमिका संभाली है। यह पोस्टिंग, केवल एक वर्ष में उसकी चौथी पोस्टिंग है, जिसमें पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (EIA) की देखरेख की जिम्मेदारी शामिल है। अपने नए पद पर अरुण को एक महत्वपूर्ण आर्द्रभूमि, जो इस क्षेत्र के लिए प्राथमिक जल स्रोत के रूप में कार्य करती है, के निकट स्थित एक तांबा प्रगलन संयंत्र के बारे में पता चलता है।

उस संयंत्र के भारी प्रदूषण कर्ता के रूप में कुख्यात होने के बावजूद, अध्यक्ष द्वारा अरुण को प्रस्तुत किया गया वर्तमान EIA, आर्द्रभूमि पर इससे किसी गंभीर प्रभाव को नहीं दर्शाता है। अगले दो वर्षों के लिए कोई अन्य आकलन निर्धारित नहीं किया गया है।

एक दिन, अरुण को विपक्षी दल से जुड़े एक राजनेता से एक पत्र प्राप्त होता है। इस पत्र में ऐसे साक्ष्य हैं जो बताते हैं कि वर्तमान EIA परिणाम फ़र्जी प्रयोगशाला रिपोर्टों पर आधारित हैं, जिन्हें कथित तौर पर अध्यक्ष द्वारा अनुमोदित किया गया है। अध्यक्ष के सत्तारूढ़ दल के साथ घनिष्ठ संबंध हैं, जिसे संयंत्र के संचालकों से पर्याप्त दान प्राप्त होता रहा है।

विपक्षी राजनेता ने अरुण से विभाग के अंदर से ही अध्यक्ष को बेनकाब करने का आग्रह किया और यह तर्क दिया कि यह दृष्टिकोण प्रभावी रूप से सरकार पर एक नया EIA आयोजित करने के लिए दबाव डाल सकता है। वह अरुण से वादा करता है कि उनके दल के सत्ता में आने, जिसकी हालिया जनमत सर्वेक्षणों में संभावना व्यक्त की गई है, पर उसे महत्वपूर्ण पुरस्कार और समर्थन मिलेगा।

यद्यपि प्रस्तुत किए गए साक्ष्य प्रभावशाली हैं, लेकिन अरुण राजनीतिक मोहरे के रूप में शोषण किए जाने की संभावना के बारे में भी सतर्क है। वह अपने कार्यों के संभावित परिणामों, उसके करियर और पर्यावरण दोनों के लिए, के बारे में पूरी तरह से अवगत है।

- (a) उपर्युक्त प्रकरण के आलोक में, कॉर्पोरेट, राजनीतिक और नौकरशाही के हितों के बीच गठजोड़ से उत्पन्न होने वाले नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।
- (b) एक कर्तव्यनिष्ठ सिविल सेवक के रूप में, अरुण के पास उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए। उसे कौन-सा विकल्प चुनना चाहिए और क्यों? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Arun, renowned for his integrity and dedication, has recently assumed the role of Superintendent at a state Pollution Control Board. This posting, his fourth in just one year, includes the responsibility of overseeing Environmental Impact Assessments (EIAs). In his new position, Arun becomes aware of a copper smelting plant situated near a crucial wetland that serves as the primary water source for the region.

Despite the plant's notorious reputation for heavy pollution, the current EIA, presented to Arun by the Chairperson, indicates no significant impact on the wetland. The next assessment is not scheduled for another two years.

One day, Arun receives a letter from a politician affiliated with the opposition party. The letter contains evidence suggesting that the current EIA results are based on falsified lab reports, allegedly approved by the Chairperson. The Chairperson is known to have close ties with the ruling party, which has been receiving substantial donations from the plant's operators.

The opposition politician urges Arun to expose the Chairperson from within the department, arguing that this approach could effectively pressurize the government to conduct a new EIA. He promises Arun significant rewards and support once their party comes to power, an outcome suggested by recent opinion polls.

While the evidence presented is compelling, Arun remains cautious about the possibility of being exploited as a political pawn. He is acutely aware of the potential consequences of his actions, both for his career and for the environment.

- (a) In light of the above case, discuss the ethical issues that may arise from the nexus between corporate, political, and bureaucratic interests.
- (b) As a conscientious civil servant, evaluate the options available to Arun. Which option should he choose and why? (Answer in 250 words) 20

12.

The case here suggests the ever-present dangers of politicization of ~~crit~~ critical issues, even as one must do the ethical thing in public interest.

(a)

ethical issues arising from the nexus of between corporate, political, bureaucratic interests

(i) collusive corruption which often evades public notice - the corps Smelter's effects on the wetland hidden by the falsified EIA.

(ii) adherence to forms of good governance without substantive justice - EIA as a formal tool to clear projects.

(iii) politicization of even honest

work - Asun's whistleblowing may be painted as persecution.

(iv) Environmental preservation often seen as a secondary issue

(v) Collusion between Nabu-Neta business leads to loss of public interest, violation of local good.

(6)

options available to Asun

(i) Reveal the evidence publicly

Merits

→ is honest, transparent

→ forces the govt. to undertake fresh EIA

Demerits

→ will generate backlash politically

→ violation of code of conduct for civil servants

(ii) Reveal it through anonymously

Merits

- protects my identity
- upholds public interest

Demerits

- is not transparent
- violation of code of ethics

(iii) Talk to the chairperson and call for a fresh EIA; give my report in writing to superior

Merits

- upholds protocol, honesty
- allows the SPCB to remedy the action
- upholds public interest

Demerits

- the SPCB may bury the report.
- I may still be treated as a political pawn.

I will choose the

3rd option -

- to follow code-of-conduct while upholding public interest.
- to not reduce it to petty political tussle.

VisionIAS

VisionIAS



SPACE FOR ROUGH WORK

VisionIAS

SPACE FOR ROUGH WORK